विक्रमपुर के पूर्व सरपंच 'हल्के राजा' पर फायरिंग

हालत नाजुक, चार फोर-व्हीलर से आए हमलावरों ने घेरा

नवभारत न्यूज
राजनगर/छतरपुर, 18 मई. जिला मुख्यालय के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को एक बेहद सनसनीखेज और दुस्साहसिक वारदात सामने आई है. विक्रमपुर गांव के पूर्व सरपंच महुम सिंह उर्फ हल्के राजा पर अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. इस जानलेवा हमले में पूर्व सरपंच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व सरपंच महुम सिंह उर्फ हल्के राजा सोमवार को छतरपुर जिला मुख्यालय से किसी काम को निपटाकर वापस अपने गांव विक्रमपुर लौट रहे थे. इसी दौरान जैसे ही वे इमलिया गांव के समीप पहुंचे, तभी अचानक चार फोर-व्हीलर वाहनों में सवार होकर आए बदमाशों ने उनके वाहन को घेर लिया. इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, हमलावरों ने उन पर कई राउंड कट्टे और बंदूकों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर अपने वाहनों सहित मौके से तेजी से फरार हो गए. गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और दहशत फैल गई. स्थानीय नागरिकों और परिजनों की मदद से लहूलुहान हालत में पूर्व सरपंच को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया. घटना की सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने जिले भर में नाकाबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है. प्राथमिक तौर पर इस खूनी हमले के पीछे पुरानी रंजिश या जमीनी विवाद की आशंका जताई जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को शिनाख्त कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

भतीजे ने बयां किया आंखों देखा हाल

घटना के संबंध में घायल पूर्व सरपंच के भतीजे योगेन्द्र देव बुन्देला ने बताया कि उनके चाचा महुम सिंह छतरपुर से लौटकर विक्रमपुर जा रहे थे, तभी इमलिया गांव के पास पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात हमलावरों ने वाहनों से उतरकर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं. योगेन्द्र देव ने बताया कि चाचा को कितनी गोलियां लगी हैं, इसकी सटीक जानकारी अभी नहीं मिल पाई है, क्योंकि डॉक्टरों की टीम लगातार उनके इलाज और उन्हें स्थिर करने में जुटी हुई है.

केंद्रीय मंत्री खटीक ने बस से किया सफर

सागर से टीकमगढ़ तक आम यात्रियों के बीच बैठकर की यात्रा

नवभारत न्यूज
घुवारा/छतरपुर, 18 मई. केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक ने बीते दिन सादगी, सहजता और जनसंपर्क की एक ऐसी अनूठी मिसाल पेश की, जिसकी हर तरफ सराहना हो रही है. वीआईपी संस्कृति और भारी-भरकम वीआईपी सुरक्षा काफिले से दूर, केंद्रीय मंत्री ने एक आम नागरिक की तरह यात्री बस में बैठकर करीब सवा सौ (125) किलोमीटर का सफर तय किया. इस दौरान वे सागर से टीकमगढ़ तक आम यात्रियों के बीच सामान्य सीट पर बैठकर यात्रा करते रहे और लोगों से सीधा संवाद कर उनका हालचाल जाना.

बस यात्रा के दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस यात्रा के पीछे के मुख्य उद्देश्य को साझा किया. उन्होंने कहा: 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार देशवासियों से ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपील कर रहे हैं.

बढ़ती महंगाई, सीमित संसाधनों और पर्यावरण संतुलन को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन (पब्लिक ट्रांसपोर्ट) को अपनाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. यदि जनप्रतिनिधि और उच्च अधिकारी स्वयं आगे बढ़कर ईंधन बचत का संदेश देंगे, तभी समाज में इसके प्रति सकारात्मक बदलाव संभव हो सकेगा.'

घुवारा में रुके और सुनीं जनसमस्याएं

अपनी इस अनोखी बस यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक घुवारा नगर भी पहुंचे. जैसे ही स्थानीय नागरिकों को भनक लगी कि देश के केंद्रीय मंत्री आम बस में सवार होकर आए हैं, तो वहां लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा. डॉ. खटीक ने बस से उतरकर स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं से बेहद आत्मीय मुलाकात की. उन्होंने जमीन पर रहकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए आश्वस्त किया.

मंत्री को बीच पाकर खिले यात्रियों के चेहरे

इसी पर्यावरण-हितैषी सोच के तहत केंद्रीय मंत्री ने अपने महंगे सरकारी वाहनों के काफिले को छोड़कर यात्री बस से सफर करने का निर्णय लिया. बस में सफर कर रहे आम यात्री देश के इतने बड़े नेता को अपने ठीक बगल वाली सीट पर पाकर बेहद अचंभित और खुश नजर आए. यात्रियों ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार किसी केंद्रीय मंत्री को इतनी सहजता और बिना किसी तामझाम के आम जनता के बीच सफर करते देखा है.

बागेश्वर धाम दरबार पहुंचीं क्रिकेटर क्रांति गौड़

- टी-20 वर्ल्ड कप में जीत के लिए बालाजी के दरबार में लगाई हाजिरी
- मप्र टीम की खिलाड़ी अंकिता, हर्षिता और प्राप्ति भी रहीं साथ

नवभारत न्यूज
खजुराहो/छतरपुर, 18 मई. आगामी टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों और खेल की भावी चुनौतियों के बीच भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ ने बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल बागेश्वर धाम पहुंचकर बाबा बागेश्वर बालाजी के दरबार में हाजिरी लगाई. इस विशेष आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उनके साथ मध्य प्रदेश स्टेट टीम की महिला खिलाड़ी अंकिता शुक्ला, हर्षिता पांद्य, प्राप्ति कुर्मी और क्रांति गौड़ के परिवार के सदस्य भी मुख्य रूप से मौजूद रहे.

खेल के मैदान पर देश और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले ये खिलाड़ी यहाँ पूरी तरह भक्ति के रंग में डूबे नजर आए. सभी खिलाड़ियों ने बालाजी महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आगामी मैचों में शानदार सफलता और देश की जीत के लिए प्रार्थना की.

मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए जरूरी है अध्यात्म : खिलाड़ी

अपनी इस आस्था से जुड़ी यात्रा के दौरान महिला क्रिकेटरों ने खेल और अध्यात्म के समन्वय पर अपने विचार साझा किए. खिलाड़ियों का कहना था कि खेल के मैदान पर कड़ी मेहनत, कड़ा अनुशासन और बेहतरीन तकनीक जितनी जरूरी है, मानसिक चुनौतियों से निपटने के लिए उतनी ही आवश्यक मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी है. उन्होंने बताया कि बागेश्वर बालाजी के दरबार में आकर उन्हें एक अद्भुत ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति हुई है, जो उन्हें आगामी खेल प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मानसिक रूप से प्रेरित करेगी. इस पावन अवसर पर क्रांति गौड़ के परिवार के सदस्यों ने भी भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया.

एसपी ऑफिस के सामने डिब्बे में लगी आग

- फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, मची अफरा-तफरी

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 18 मई. जिला मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के ठीक सामने सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. यहाँ सुबह करीब 7 बजे सड़क किनारे रखे एक चाय और गुटखा के खोखे (डिब्बे) में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई.

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और गुमटी से धुएं का गुबार उठने लगा, जिससे राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई. वहां से गुजर रहे स्थानीय नागरिकों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी. सूचना मिलते ही डायल-112 और दमकल वाहन की टीम बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंची. फायर ब्रिगेड की तत्परता से समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया. राहत की बात यह रही कि समय पर हुई इस दंडात्मक कार्रवाई के कारण आग आसपास की अन्य दुकानों और गुमटियों तक नहीं फैल सकी, जिससे एक बड़ी आर्थिक क्षति होने से बच गई. आग लगने के सटीक कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है.

जल समस्याओं के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

सीहोर. मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना एवं नीलकंठ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया. मरदानपुर योजना में पेयजल संबंधी समस्या होने पर नागरिक मोबाईल नंबर 7898401752 तथा नीलकंठ योजना में पेयजल संबंधी समस्या पर नंबर 6260634008 पर संपर्क किया जा सकता है. ग्राम मरदानपुर और नीलकंठ योजना के लिए ग्राम सोंठिया में हेल्पडेस्क भी बनाई गई है.

पीडब्ल्यू की जर्जर बिल्डिंग आधी रात में जमींदोज

- दिन की भीड़भाड़ और धूल से बचने के लिए रात में हुई कार्रवाई

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 18 मई. शहर के सबसे व्यस्त और रिहायशी इलाकों में शामिल सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सरानी दरवाजा के बाहर स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की बरसों पुरानी जर्जर बिल्डिंग को रविवार देर रात पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया. विभाग ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुलडोजर और जेसीबी मशीनों की मदद से इस पूरी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया. दिन के समय होने वाली भारी भीड़भाड़ और किसी भी संभावित हादसे को टालने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा यह कदम आधी रात के सन्नाटे में उठाया गया.

जिस शासकीय भवन को गिराया गया है, वह पिछले काफी समय से अत्यंत जर्जर और जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पहुंच चुका था. मुख्य मार्ग और बाजार के नजदीक होने के कारण इसके अचानक धराशायी होने से किसी भी वक्त कोई बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई थी. स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने भी कई बार इस भवन की खतरनाक स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए इसे हटाने की मांग की थी, जिसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने इसे सुरक्षित रूप से ढहाने का अंतिम निर्णय लिया.

भीड़ से बचाव के लिए चुना रात का वक्त

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के मुताबिक, सरानी दरवाजा के बाहर का यह पूरा क्षेत्र छतरपुर शहर के सबसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में से एक है. आसपास सघन बाजार और घनी आबादी होने के कारण यहां दिनभर राहगीरों और वाहनों की भारी आवाजाही रहती है. यदि यह कार्रवाई दिन के समय की जाती, तो मशीनों के कारण भारी जाम लगने, धूल-मिट्टी उड़ने और भीड़ जमा होने से दुर्घटना का खतरा हो सकता था. इसी को देखते हुए गुप्त कार्ययोजना बनाकर रात के समय का चयन किया गया.

किसान ने शेडनेट हाउस से बदला अपना भाग्य

- गेलार्डिया फूलों से दो माह में कमाया 35 हजार का शुद्ध लाभ

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 18 मई. आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का सही समन्वय कर किसान किस तरह अपनी तकदीर बदल सकते हैं, इसकी एक अनूठी मिसाल छतरपुर विकासखंड के ग्राम सरानी के एक प्रगतिशील किसान ने पेश की है.

कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन में उद्यानिकी विभाग की अनुदान योजना का लाभ उठाकर ग्राम सरानी के कृषक मोहन लाल कुशवाहा (पिता प्रभुदयाल कुशवाहा) ने अपने शेडनेट हाउस में लीक से हटकर फूलों की खेती की और महज एक सीजन में बंपर कमाई कर दिखाई है.

नवंबर के महीने में मोहन लाल ने शेडनेट हाउस के इस खाली हिस्से में प्रयोग के तौर पर 3,000 गेलार्डिया फूलों के पौधे रोपे. इस पूरी प्रक्रिया में पौधों की खरीद और देखरेख मिलाकर लगभग 15 हजार रुपये का खर्च आया. कृषक मोहन लाल+ कुशवाहा ने बताया कि पौधे लगाने के ठीक दो महीने बाद फूल आने शुरू हो गए. चूंकि वह समय शादियों के सीजन का था, इसलिए बाजार में फूलों की मांग बहुत ज्यादा बनी हुई थी. उन्हें स्थानीय बाजार में 20 से 30 प्रति किलो का अच्छा थोक भाव मिला. दो महीने तक लगातार चली फूलों की तुड़ाई से कुल 50,000 रुपये की आय दर्ज की गई.

सब्जियों के साथ लिया फूलों का 'डबल डोज'

किसान मोहन लाल ने उद्यानिकी विभाग से अनुदान प्राप्त कर अपने खेत में आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण करवाया था. शुरुआत में उन्होंने इस नियंत्रित वातावरण में खीरा, टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी नगदी सब्जियों का बेहतरीन उत्पादन कर अच्छी आय प्राप्त की थी. लेकिन उनकी सूझबूझ का असली उदाहरण तब सामने आया, जब उन्होंने शेडनेट हाउस के खाली बचे हिस्से का भी शत-प्रतिशत और सही इस्तेमाल करने की सोची.

सरकारी परिसर में बिना अनुमति पेड़ों की कटाई

- पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन से की निष्पक्ष जांच की मांग

नवभारत न्यूज
नौगांव, 18 मई. शासकीय कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों के परिसरों में पर्यावरण संरक्षण की धज्जियां उड़ाने का एक गंभीर मामला सामने आया है. यहां बीआरसी कार्यालय, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय और प्राथमिक स्कूल के संयुक्त परिसर में लगे कई वर्ष पुराने हरे-भरे पेड़ काट दिए गए. इस घटना को लेकर स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों में गहरा आक्रोश है.

क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जांच की मांग की है. उनका कहना है कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि किसके आदेश पर इन पेड़ों को काटा गया और कटी हुई लकड़ियों को कहां खपाया गया. ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले की जांच कर सरकारी संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाए.

हरे-भरे पेड़ों पर चलाई आरी

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इन विशाल और छायादार पेड़ों को काटने के लिए वन विभाग या सक्षम राजस्व अधिकारियों से कोई वैधानिक अनुमति नहीं ली गई थी. नियमों के मुताबिक, किसी भी सरकारी परिसर से पेड़ हटाने या छांटने के लिए एक निर्धारित प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होता है. बिना किसी लिखित आदेश या अनुमति के इस तरह पेड़ों को काटना स्थानीय अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है.

पर्यावरण पाठ के केंद्र में ही हरियाली पर प्रहार

हैरानी की बात यह है कि यह पूरी कार्रवाई उस परिसर के भीतर की गई, जहां हर दिन स्कूली बच्चों को पर्यावरण बचाने और वृक्षारोपण करने का संदेश दिया जाता है. एक तरफ शासन स्तर पर हरियाली बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार विभागों के परिसरों में ही पेड़ों की इस तरह कटाई की जा रही है.

बैठक शोध केंद्र की स्थापना और जनहित याचिका दायर करने का किया एलान

खजुराहो में महाकौशल प्रांत के अधिवक्ताओं का महामंथन

नवभारत न्यूज
खजुराहो, 18 मई. पर्यटन नगरी खजुराहो के एक स्थानीय होटल में 'अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत' की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई. इस बैठक में महाकौशल प्रांत के सभी 28 जिलों से आए प्रबुद्ध अधिवक्ताओं और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम के दौरान सामाजिक और न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में 'न्याय की पहचान' को और मजबूत करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया.

उन्होंने आगाह किया कि हालांकि इसका नकारात्मक प्रभाव वर्तमान में तुरंत दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन यदि इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले 20 वर्षों में इन चंदेलकालीन ऐतिहासिक मंदिरों की नाजुक संरचना को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है.

खजुराहो में शोध केंद्र की मांग: डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु ने धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा. उन्होंने पुरजोर शब्दों में कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को खजुराहो में एक अत्याधुनिक शोध केंद्र (रिसर्च सेंटर) स्थापित करना चाहिए. उनके अनुसार, खजुराहो और उसका आसपास का पूरा बुंदेलखंड क्षेत्र प्राचीन इतिहास, शोध और संरक्षण कार्यों के लिए देश के सबसे उपयुक्त और समृद्ध स्थानों में से एक है.

उन्होंने बड़ा एलान करते हुए कहा कि इस गंभीर विषय और मंदिरों की सुरक्षा को लेकर वे जल्द ही माननीय न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करेंगे. साथ ही वे केंद्र और राज्य सरकार से भी आधिकारिक तौर पर मांग करेंगे कि खजुराहो में अविलंब शोध केंद्र की स्थापना की जाए.

विमानों की तेज आवाज से खजुराहो के मंदिरों को खतरा

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु (एडवोकेट) ने एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय पर सबका ध्यान आकर्षित किया. उन्होंने कहा कि खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों के ठीक ऊपर से गुजरने वाले विमानों की तेज आवाज और उनका कंपन (वाईब्रेशन) भविष्य के लिए एक अदृश्य और गंभीर खतरा बन सकता है.